अंतहीन प्यास-3

“आपकी सारिका कंवल बारिश इतनी तेज़ हो चुकी थी कि 4 लोगों का एक छाता के नीचे बच पाना मुश्किल था, पर आस-पास कोई जगह नहीं थी कि हम छुप सकें इसलिए हम जल्दी-जल्दी चलने लगे। हमने बच्चों को आगे कर दिया और हम पीछे हो गए, जिसके कारण उसका जिस्म मेरे जिस्म से चलते […]”

…

Story By: saarika kanwal (saarika.kanwal)
Posted: शुक्रवार, सितम्बर 5th, 2014
Categories: पड़ोसी
Online version: अंतहीन प्यास-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अंतहीन प्यास-3

आपकी सारिका कंवल

बारिश इतनी तेज़ हो चुकी थी कि 4 लोगों का एक छाता के नीचे बच पाना मुश्किल था, पर आस-पास कोई जगह नहीं थी कि हम छुप सकें इसलिए हम जल्दी-जल्दी चलने लगे। हमने बच्चों को आगे कर दिया और हम पीछे हो गए, जिसके कारण उसका जिस्म मेरे जिस्म से चलते हुए रगड़ खाने लगा।

मुझे बहुत अजीब सा लग रहा था। उसके जिस्म की खुशबू मुझे दीवाना सा करने लगी। मैं थोड़ी शरमाई सी थी, पर मेरे पास और कोई रास्ता भी नहीं था।

हम लोग लगभग पूरी तरह भीग ही चुके थे क्योंकि बारिश और तेज़ होती जा रही थी। बच्चे तो पूरे भीग ही चुके थे और दिसंबर का महीना था सो ठण्ड लगने लगी थी।

उसने कहा- जल्दी चलो कहीं छुपने की जगह देखो वरना बच्चे बीमार पड़ जायेंगे।

और हम तेज़ी से चलने लगे। ठण्ड की वजह से मैं काँपने लगी थी क्योंकि मैं पूरी भीग चुकी थी और सलवार-कमीज के ऊपर कुछ पहनी भी नहीं थी।

चलते समय उसका जिस्म मुझसे छुआ जा रहा था तो मुझे उसके जिस्म की गर्मी अच्छी लग रही थी।

शायद उसे भी अच्छा लग रहा था और वो जानबूझ कर शायद ऐसा कर रहा था।

अचानक तेज़ी में चलते हुए मेरा पैर फिसल सा गया तो उसने मुझे बचाने के लिए कमर से पकड़ लिया और अपनी तरफ खींचा, मैं खुद को उसके सहारे सँभालते हुए उसकी बाँहों में चली गई।

हम दोनों की नजरें दो पल के लिए मिलीं और मैंने शर्म से अपनी निगाहें नीची कर लीं।

उसने मेरे जिस्म की खुशबू को सूंघते हुए एक लम्बी साँस ली और कहा- आराम से.. चलो उस दीवार के पास छिप जाते हैं कुछ देर…!

मैंने देखा कि वो जगह इतनी बड़ी तो नहीं थी कि छुपा जा सकें, पर बच्चों को छुपाया जा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सकता था, तो हम जल्दी से चले गए।
वो जगह ऐसी थी कि सर से कमर तक बारिश से बचा जा सकता था।
मैंने खुद के कपड़े देखे, एक झलक में तो मुझे बहुत ही शर्मिंदगी महसूस हुई और मैं जल्द से जल्द बारिश बंद होने की प्रार्थना करने लगी। मेरे स्तनों के नीचे का पूरा हिस्सा बाईं तरफ से भीग चुका था और उसमें से मेरी ब्रा और पैन्टी साफ़ झलक रही थी। मुर्तुजा भी अपने दाईं तरफ से भीगा हुआ था।
हम जल्दी से उस आड़ के नीचे जाकर छिप गए और बच्चों को छाता थमा दिया ताकि वो बच सकें। बच्चे हमारे आगे थे और मैं और मुर्तुजा पीछे।
वहाँ इतनी तेज़ बारिश हो रही थी कि मैं न चाहते हुए भी उससे चिपकती चली जा रही थी। तभी मैंने गौर किया कि वो छुपी नजरों से मेरी जाँघों और स्तनों को देख रहा है।
मैंने उन्हें अपनी हाथों से छुपाने की कोशिश की, तो उसने अपनी नजरें घुमा लीं।
हम काफी देर तक वहीं बारिश बंद होने का इंतज़ार करते रहे। हम दोनों ही शर्म से एक-दूसरे से नजरें छिपा रहे थे और खामोशी से बारिश के थामने का इंतज़ार कर रहे थे।
उसने तभी मुझसे नजरें दूसरी तरफ कर धीरे से कहा- सारिका जी.. अपने कपड़े ठीक कर लीजिए!
मैंने तपाक से अपने कपड़ों की ओर देखा तो सब कुछ ठीक लगा, फिर भी मैंने उन्हें संवारने की कोशिश की।
तब उसने कहा- उधर नहीं पीछे!
मैंने तुरंत अपना हाथ पीछे किया तो मेरी कमीज ऊपर उठी हुई थी। शायद जब मैं गिरने वाली थी और उसने मुझे बचाया तब हो गया होगा।
मैंने उसे जल्दी से ठीक किया और दूसरी तरफ देखने लगी और सोचने लगी कि इसने तो मेरा सब कुछ देख लिया होगा पर मैं करती भी क्या..! मैं बस खामोशी से सोचने लगी कि कहाँ आकर फंस गई, कब ये बारिश रुकेगी..! तभी बारिश कुछ कम हुई और मुझे थोड़ी खुशी हुई कि अब बारिश रुक जाएगी, पर अगले ही पल जोरों से हवा आई और फिर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बारिश की और मोटी-मोटी बूँदें तेज़ी से बरसने लगीं।
मैं तुरंत पीछे हुई और मुर्तुजा से जा टकराई। बारिश तो ऐसे आ रही थी जैसे मुझे पूरा भीगा देना चाहती हो। मैं बारिश से बचने की कोशिश में थी, पर बचना तो दूर की बात मैं और बुरी तरह फंस गई।
मेरे पीछे मुर्तुजा था और मेरे आगे बारिश आगे होती तो बारिश से बच नहीं सकती थी। पीछे होती तो मुर्तुजा से बच नहीं सकती थी। ऊपर से ठण्ड इतनी लग रही थी कि रहा नहीं जा रहा था।
मैं मुर्तुजा से चिपक सी गई थी। उसके बदन की गर्मी मुझे महसूस होने लगी थी और जैसे-जैसे समय बीत रहा था, मुझे ठण्ड और ज्यादा लगने लगी। जिसके कारण मैं उससे और भी ज्यादा सटने लगी। मैं सोचने लगी कि भगवान् कैसी मुसीबत में फंस गई हूँ।
तभी मुझे कुछ महसूस हुआ, मुझे लगा जैसे मुर्तुजा मेरे बदन को सूंघ रहा है। उसका चेहरा मेरी गर्दन के पास झुका हुआ था और वो लम्बी-लम्बी साँसें ले रहा था।
मुझे भी उसके जिस्म की गर्मी बहुत अच्छी लग रही थी सो मैं भी ख़ामोशी से खड़ी रही।
तभी मुझे अपनी कमर पर कुछ सख्त चीज़ महसूस हुई, मैं समझ गई कि उसका लिंग है। पहले तो मुझे लगा कि उसको डांट दूँ, पर पता नहीं, मैंने ऐसा क्यों नहीं किया। मुझे उस वक़्त कुछ भी समझ नहीं आया। शायद ये मेरी गलती ही थी, जिसकी वजह से उसकी हिम्मत बढ़ गई और उसने मेरा हाथ थाम लिया।
उसने जैसे ही मेरा हाथ थामा मुझे करंट सा लगा और मैं और उसके करीब चली गई।
मेरे इस तरह के व्यवहार को देख कर उसने एक हाथ से मेरी जाँघों को छुआ। मुझे ऐसा लगा कि शायद इसी की जरुरत थी मुझे क्योंकि ऐसी ठण्ड में कहीं से कोई गर्माहट मिल जाए, यही तो इंसान चाहता है।
मेरा कोई विरोध न देख, उसकी हिम्मत और भी बढ़ गई और उसने अपना लिंग मेरी कमर पर रगड़ना शुरू कर दिया। मैं तो जैसे सुध-बुध खो चुकी थी और उसे खुली छूट दे दी।
वो अपनी कमर को झुका कर अपने लिंग को मेरे कूल्हों के बीच रगड़ने लगा, जैसे कि वो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी योनि को ढूँढ रहा हो।
उसका गर्म जिस्म मुझे बहाने लगा था और मैं भूल गई कि हम दोनों के आगे बच्चे हैं।
उसने अपना एक हाथ मेरे पेट पर रखा और मुझे अपनी ओर खींच लिया और लिंग को मेरे कूल्हों के बीच में घुसाने की कोशिश में रगड़ने लगा।
मुझे भी अच्छा लगने लगा और मेरी योनि भी गीली होने लगी थी। तभी उसने नीचे से अपना दूसरा हाथ मेरी कमीज के अन्दर डाल कर मेरे पजामे के ऊपर से मेरी योनि पर रख दिया।
मेरी हालत और भी बुरी हो गई।
उसने पजामे के ऊपर से ही मेरी योनि को सहलाते हुए पैंटी को खींच कर किनारे कर दिया।
वो अपने लिंग को पूरी ताकत से मेरे कूल्हों के बीच दबाने लगा साथ ही मुझे जोरों से पकड़ अपनी और खींच रहा था और दूसरे हाथ से मेरी योनि को सहला रहा था।
उसने अपने मुँह से मेरे बालों को किनारे किया और गर्दन पर अपनी जीभ घुमाने लगा, जैसे कि मुझे चाट रहा हो।
तभी अचानक उसने मेरी योनि से हाथ हटाया और मेरे पजामे का नाड़ा खींच दिया।
मेरी अंतहीन प्यास की कहानी जारी रहेगी।
आप मुझे ईमेल कर सकते हैं।
saarika.kanwal70@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

सेक्सप्रेस रेलगाड़ी और सविता भाभी की चूत की पेलमपेल

यह सेक्स कहानी सविता भाभी की उस चुदाई की है.. जब वो सौन्दर्य प्रतियोगिता जीत चुकी थीं और पुरूस्कार में ट्रॉफी के अतिरिक्त दो दिन किसी हिल स्टेशन पर बिताने का मौका भी दिया गया था। सविता ने अपने पति […]
Full Story >>>

बुआ की सेक्सी किरायेदार की चूत मिल गई चोदने को

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम अमित है, मेरी यह कहानी पिछले साल की है.. जब मैं पढ़ने के लिए अपनी दूर की बुआ के घर रहने गया था। बुआ का घर बहुत बड़ा था और उनके घर पर कई कमरे किराए […]
Full Story >>>

टैक्सी ड्राइवर से चूत चुदवा कर हिसाब चुकता किया

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम शिखा धामी है। मैं यू पी की रहने वाली हूँ। आज मैं आप लोगों के सामने अपनी चूत चुदाई की सच्ची सेक्स कहानी हिंदी में लेकर आई हूँ। उससे पहले मैं आप लोगों को बता दूँ […]
Full Story >>>

दोस्त की अम्मी ने मुझे पटा कर चूत चुदा ली

हैलो फ्रेंड्स, क्या हाल हैं ? सबके लंड और चूत मस्त हैं ना.. चूत को लंड और लंड चूत मिल रही है ना.. दोस्तो, मेरा नाम समर है और मैं 24 साल का हूँ। मेरा रंग सांवला जरूर है.. पर दिखने […]
Full Story >>>

बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-9

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी बीवी और उसका चोदू यार डॉक्टर नंगे होकर बाथरूम में नहाते हुए चुदाई कर रहे थे। अब आगे.. मैं उनके कमरे में आने से पहले ही पहले बाहर आ गया था। नेहा की आवाज आई- […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Pinay Video Scandals

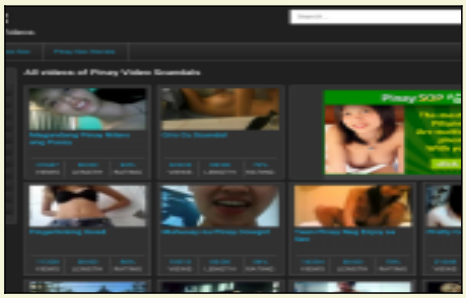

Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Indian Sex Stories

The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire